ऑरोविल

(A u r o v i l l e)

ऑरोविल दक्षिण पूर्वी भारत में 50,000 विकासाधीन लोगों के लिए योजनाकृत भूमंडलीय शहर है जो पोण्डिचेरी के उत्तर में 10 कि.मी की दूरी पर और चेन्नई के दक्षिण में 150 कि. मी. की दूरी पर कोरमण्डल कोस्ट के निकट स्थित है।

ऑरोविल का पहलू संसार के कई अन्य समूह और परियोजनाओं में पाया जाता है, लेकिन ऑरोविल संसार का पहला और मानव एकता में अनुसंधान के लिए एकमात्र अंतर्राष्ट्रीय–मान्यता प्राप्त केन्द्र है, जो मानवता के भावी संस्कृति, वातावरण, सामूहिक और आध्यात्मिक आवश्यकताओं के लिए व्यावहारिक अनुसंधान कर रहा है। इसका भूमण्डलीय महत्व इसलिए बढ़ गया है क्योंकि इसे यूनेस्को से मान्यता और अपने मेज़बान देश (host nation) भारतीय सरकार का संपूर्ण सहयोग और प्रोत्साहन प्राप्त है, जिसके द्वारा प्रधान योजना अनुमोदित है।

इतिहास (History)

मानवीय एकता में एक प्रायोजन के लिए समर्पित अंतर्राष्ट्रीय–भूमण्डलीय नगर का सिद्धांत वास्तव में भारत के महान दार्शनिक – योगी श्री अरबिन्दो से उत्पन्न हुआ। फिर भी, "दी मदर" कहलाने वाली, फ्राँस में पैदा हुए उनके आध्यात्मिक सहयोगी एवं सह–कर्मचारी मिर्रा अल्फास्सा ने ही इसे एक स्थाई रूप दिया और इसका नाम ऑरोविल रखकर कहा:

"ऑरोविल एक भूमण्डलीय नगर बनना चाहता है जहाँ सभी देश के स्त्री और पुरुष सभी वर्ग, सभी राजनीति और सभी राष्ट्र से बढ़कर शांति से और प्रगतिशील एकता के साथ रह सकते हैं। ऑरोविल का उद्देश्य मानव एकता को अनुभूत करना है। "

सन् 1965 में ऑरोविल के बारे में दिया गया यह पहला सार्वजनिक कथन था। फिर, 1966 में भारत सरकार के द्वारा ऑरोविल का सिद्धांत यूनेस्को के जेनरल एसेम्ब्ली (General Assembly of UNESCO) में रखा गया और सर्वसम्मति से अनुमोदित हुआ। दो साल बाद, 28 फरवरी 1968 में 124 राष्ट्रों के युवा प्रतिनिधि और सभी भारतीय प्रांतों ने मिलकर नगरावास का उद्घाटन किया और उसके घोषणा–पत्र (चार्टर) को ग्रहण किया जो इस प्रकार है :

1. ऑरोविल विशेष रूप से किसी एक ही सम्पत्ति नहीं है। ऑरोविल संपूर्ण मानव समुदाय का अपना है। लेकिन ऑरोविल में रहने के लिए किसी व्यक्ति को दिव्य सचेतता (Divine Consciousness) का सेवक होना अनिवार्य है।
2. ऑरोविल ऐसा स्थान होगा जहाँ अनन्त शिक्षा, लगातार विकास होगा और यहाँ कोई युवा कभी बूढ़ा नहीं होगा।
3. ऑरोविल गत और भविष्य का पुल बनना चाहता है। इसके बिना और इसके भीतर से सभी आविष्कारों का लाभ उठाते हुए ऑरोविल अटल बनकर भविष्य के अनुभूतियों की तरफ बढ़ेगा।
4. वास्तविक मानवीय एकता का एक जीवित साकार के लिए ऑरोविल, सामग्री और अध्यात्मिक अनुसंधानकर्ताओं का एक स्थल होगा।

उसी समय यूनेस्को ने परियोजना के अपने सर्वसम्मति अनुमोदन को दोहराया और फिर से 1970 और 1983 को ऐसे ही किया।

सन् 1988 में जब संसद के एक विनियम द्वारा "ऑरोविल फाउन्डेशन" का सृजन किया गया तब भारत सरकार द्वारा परियोजना को एक विशेष स्थिति दिया गया था। फाउन्डेशन में तीन अलग–अलग लेकिन अंतक्रियात्मक इकाइयाँ हैं – ऑरोविल में स्थित निवासी सचिव सहित एक शासन निकाय, एक अंतर्राष्ट्रीय परामर्श परिषद् और एक निवासी सभा। इस निवासी सभा के प्रधान सूची में सभी ऑरोविल के लोग होते हैं जो 18 या उससे ज्यादा उम्र के होते हैं।

ऑरोविल के लिए चुना गया स्थान एक अत्यंत भूक्षरित पठार था जो समुद्र की ओर पूर्वी दिशा में बढ़ा हुआ था। उस क्षेत्र का पुनरुद्धार और पुनर्वनरोपण ही उस परियोजना को प्राथमिकता प्रदान करने का कारण था, जो उन्नीस सौ दशक के अंत में सरकार के रिपोर्ट में "परित्यागकरण के विकसित स्थिति" (an advanced state of desertification) कहकर उल्लेख किया गया था। हज़ारों पेड़ और पौधे (करीब 2 से भी अधिक सही) लगाकर भूक्षरण को नियंत्रित करने का काम शुरू हुआ, जिसके परिणामस्वरूप आज वह क्षेत्र हरा–भरा है और विस्तृत रूप से उसमें जंगल फैला हुआ है। इस कार्य के साथ–साथ, हमेशा प्रदूषण रहित उचित तकनीकी और प्रतिपालनीय ऊर्जा उत्पादन प्रणालियों के प्रयोग के द्वारा शहर के विकास पर ज़ोर दिया जाता है।

ऑरोविल आज (Auroville today)

भारत सरकार द्वारा अनुमोदित नगरावास के लिए बृहद योजना, एक स्पाइरल गेलक्सी आकार पर आधारित है जो चार रेडियेट करने वाले सेक्टार को सम्मिलित करता है (अंतर्राष्ट्रीय, सांस्कृतिक, औद्योगिक और आवासिक मण्डल) और साथ में चारों तरफ एक हरा बेल्ट है। चारों मण्डलों की दृष्टि एक बृहद 29 मी. ऊँची X 36 मी. व्यास की एक पृथ्वी के गोलक के आकार पर स्थित है जो नगरावास के भूगोलिक केन्द्र में स्थित है और मात्रीमंदिर कहलाता है, जो नगर की आत्मा है, खामोश एकाग्रता का एक जगह है जिसके चारों तरफ सुंदर उद्यान होते हैं।

लगातार बढ़ता हुए ऑरोविल समूह में आज लगभग 47 देशों से 2200 से अधिक निवासी हैं। ऑरोविलियन्स (Aurovilians) कहलाने वाले ये लोग विभिन्न आकार और आकृति के 100 से अधिक जन समूह के निवास स्थलों में रहते हैं जो पूरे 20 स्कोयर किलोमीटर के क्षेत्र में ऑरोविल भूमि के साथ जहाँ–तहाँ बिखेरा हुआ गाँव के भूमि पर स्थापित है। उनके विभिन्न गतिविधियाँ हैं, जैसे कृषि और हरियालीकार्य, शिक्षा, नवीकरणीय ऊर्जा, स्वास्थ सुधार, ग्रामीण पहुँच, भवन निर्माण, इलेक्ट्रॉनिक्स वाणिज्य, कला और प्रशासन आदि। सभी स्वसंसेवक मासिक रखरखाव को स्थानीय रुपयों में प्राप्त करते हैं या स्वयं अपने निजी संसाधनों से आंशिक या पूर्ण भुगतान कर लेते हैं जो इस परियोजना के लिए उनका अनुदान है।

सामान्यतः ऑरोविल के लिए वित्त पाँच संसाधनों से प्राप्त होता है – भारत सरकार और भारत में रहने वाले या विदेशी गैर सरकारी संस्थानें; 2324 ऑरोविल अंतराष्ट्रीय केन्द्र और संसार भर के लायोसन कार्यालय; ऑरोविल के अनेक वाणिज्यिक / व्यापारिक इकाइयों से लाभ को कुछ प्रतिशत; भारत और विदेश के व्यक्तिगत "ऑरोविल के मित्र"; और स्वयं ऑराविलियनों से।

ऑरोविल की विशिष्टता और असीम पहुँच (Auroville's significance and outreach)

ऑरोविल का काम केवल नगरावास या विस्तृत जैव–प्रांत की आवश्यकताओं को पूरा करने तक सीमित नहीं होता है। ऑरोविल अपने आप को संपूर्ण मानवजाति के लिए अनुसंधान और प्रयोगात्मक स्थान के रूप में प्रस्तुत करता है। यह न केवल प्रतिपालनीय प्रथा में, जैसे कि कृषि और ऊर्जा उत्पादन के क्षेत्रों में – लेकिन और प्रमुख रूप से पृथ्वी पर पहली बार व्यावहारिक मानव एकता पर आधारित समाज की स्थापना के लिए जो सभी लोगों और सभी राष्ट्रों को प्रयुक्त होगा। वैसे तो यह राजनीतिक, धार्मिक, जातीय या सांस्कृतिक प्रभावों से मुक्त संपूर्ण मानवता के लाभ के लिए बदलते हुए भूमण्डलीय प्रत्यक्षण (perceptions), जीवन शैली और प्रथा के लिए अनुपम और महत्वपूर्ण प्रयोग, नमूना और संभाव्य उत्प्रेरक है।

अपने वातावरणीय कार्य के लिए ऑरोविल ने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय अनुमोदन प्राप्त कर लिया है। कई सौ एकरों का वन प्रांत निर्माण किया गया हैः स्वदेशी वानस्पति और जीव–जंतुओं को पुनः परिचित किया गया या वे अपने आप फिर से उग आए हैं : पेड़ों के पौध का पौधशालाएँ स्थापित किए गए : और व्यापक मिट्टी और जल आरंक्षण अभ्यास प्रस्तावित किया गया। कीटनाशकों और हानिकारक रसायनों के प्रयोग के बिना, और आज तक के सस्य–वन विज्ञान की तकनीकियों के प्रयुक्त के साथ परिस्थितिक रूप से मज़बूत कृषि का विकास किया जा रहा है।

ऑरोविल में बेकार चीज़ों को पुनः प्रयोग करने की प्रणाली (रीसाइकिल) सुव्यवस्थित रूप में है, और वह संपूर्ण ऑरोविल क्षेत्र में बेकार वस्तुओं को घटाने और रीसाइकिल करने की आवश्यकता और इसका बोध कराने में सक्रिय है।

इन सबके साथ–साथ ऑरोविल प्रस्तुतः एक बृहद परियोजना करने में सहायक है जिसमें उस क्षेत्र के गाँव में स्थित टंकी कहलाने वाले कृत्रिम झीलों की सफ़ाई, जल संग्रहण और जलतल को स्थाई बनाने में सहायक होगा। समुद्रतट के निकट के प्रांत में भूमिजल के अत्यधिक प्रयोग करने के कारण होने वाले लवण अंतर्बेधन के खतरों को बताकर सचेत करने के कार्य से भी ऑरोविल जुड़ा हुआ है।

वैज्ञानिक अनुसंधान केन्द्र (Centre for Scientific Research) भारत सरकार द्वारा उचित तकनीकी के प्रयोग से विकास कार्य करने के लिए 1984 से स्वीकृत और अनमोदित संस्थान है, – ऑरोविल एर्थ इनस्टिट्यूट (Auroville Earth Institute (AEI))के साथ–साथ, विशेष रूप से इमारतों के लिए प्रचंडता तकनीकी (ferrocement technology) का प्रयोग भविष्य के गतिविधियों के लिए एक अन्य विशिष्टता है। ऑरोविल एर्थ इनस्टिट्यूट हाउसिंग अन्ड अर्बन डेवेलोप्मेन्ट कॉर्परेशन आफ इंडिया (Housing and Urban Development Corporation of India (HUDCO)) द्वारा स्वीकृत इस प्रकार के 450 केन्द्रों से अधिक का एक राष्ट्रीय नेटवर्क का एक भाग है। ए ई आई (AEI) नियमित प्रशिक्षण कार्यक्रम, सलाह, इमारतों का सृजनकाय आदि प्रदान करने के साथ अपने लागत–प्रभावित कम्प्रेस्ड एर्थ ब्रिक तकनीकी के प्रयोग से निर्माण कार्य का निरीक्षण भी करता है। और इसका नेतृत्व मिट्टीयुक्त वस्तुविद्या के यूनेस्को के आसन के लिए भारत और दक्षिण एशिया के प्रतिनिधि करते हैं। सन् 1992 में गरीबों के लिए भवन निर्माण के लिए हास्सन फाथी अंतराष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त कियाः सन् 1995 में इसने अपने गतिविधियों के लिए हड्को (HUDCO) से उत्कृष्ट निष्पादन पुरस्कार (Outstanding Performance Award) भी प्राप्त किया : और सन् 1994 और 1995 में भारत सरकार के नगर विकास मंत्रालय द्वारा भारत का उत्तम निर्माण केन्द्र के रूप में अनुमोदित किया गया।

एक और दिलचस्प संस्थान है ऑरोविल का प्रयुक्त तकनीकी का संस्थान (Auroville Institute of Applied Technology (AIAT), जो आस–पास के गाँवों के विद्यार्थियों की सेवा करता है, इस संस्थान का दृष्टिकोण यूएन मिलिनियम विकास लक्ष्यों के अनुरूप है और जैव–क्षेत्र में असुविधापूर्ण समुद्रतट पर बसने वाले ग्रामीण समाज में युवकों और परिवारों के बीच प्रचलित गरीबी और सामाजिक–आर्थिक असमानताओं को मिटाने पर लक्ष्य करता है। इसके लिए कुशलता प्रशिक्षण और व्यक्तिगत विकास के द्वारा दोनों लिंगों के युवक–युवाओं में नियोज्यता को बढ़ाते हैं ताकि वे भारत के आर्थिक विकास में योगदान देने के लिए सशक्त बन सकें।

ऑरोविल के निवासियों का अत्यंत हाल ही का असीम पहुँच कार्य अधिक मात्रा में प्रशंसा प्राप्त कार्य है, पाण्डिचेरी के भारती उद्यान का पुनर्निर्माण और ट्रान्क्यूबार में एतिहासिक भवनों का पुनरुद्धार, चेन्नई के अड्यार क्रीक को उस प्रांत में अत्यंत प्रोत्साहन और शैक्षिक मूल्य का एक स्वस्थ और वातावरणीय रूप से समृद्ध प्राकृतिक संपदा में परिवर्तित करना है।

शिक्षा **(Education)**

ऑरोविल के अनेक–सांस्कृतिक शैक्षिक प्रणाली उसके पाठशालों के द्वारा हो रहा है ताकि प्रत्येक बच्चे का स्वयं अपना आंतरिक रूप को और संभाव्यता को पहचान सके। यह बढ़ता हुआ मुक्त रूप से चयन प्रणाली पर आधारित है जिसमें बच्चे अपने मर्ज़ी से अध्ययन के लिए विषय चुन सकते हैं। उसी समय, बच्चों की संतुलित और स्वास्थ्य विकास के लिए खेल–कूल की शिक्षा भी मज़बूती से प्रोत्साहित किया जा रहा है और साथ ही कलात्मक प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है ताकि सौंदर्य संबंधी शिक्षकों का विकास किया जा सकें।

ऑरोविल के बच्चों के अतिरिक्त, उसके द्वारा स्थापित और छः दिन–रात पाठशालों से आसपास के गाँव से लगभग 700 बच्चे ऑरोविल के शैक्षिक कार्यक्रमों लाभदायक होते हैं।

कला एवं संस्कृति **(Arts and culture)**

ऑरोविल में नियमित रूप से फिल्मों का प्रदर्शन है, उसके साथ–साथ कभी थियेटर, संगीत, नाच और सामूहिक संगीत, प्रदर्शियाँ, कविसम्मेलन, वस्तुओं की प्रदर्शनियाँ, पॉवर प्वाइंट प्रदर्शनियाँ, भाषण आदि होते हैं जो निवासियों और मेहमानों के लिए समान रूप से मुफ़्त है। ऑरोविल के पाठशालों और उसके बयाक्षेत्रों में आसपास के विस्तृत क्षेत्रों के सहयोग से आयोजित द्वितीय अर्धवार्षिक एरोवली फिल्मोत्वस को भी 2011 ने देखा।.

स्वास्थ्य **(Health)**

आलोपथी और दंतशास्त्र के साथ–साथ प्राथमिक स्वस्थ सेवा के कई और प्रणालियाँ भी प्रयोग में हैं, जिसमें होमियोपथी, आयुर्वेद, फिसियोथरॉपी, अक्यूपंक्चर, मसाज, और अन्य थरापियाँ हैं।

ऑरोविल स्वास्थ्य केन्द्र में मूलभूत चिकित्सा सुविधाएँ हैं और ये ऑरोविल समूह और 200 स्थानीय रोगियों की सेवा अपने प्रमुख इमारत पर और गाँव में स्थित 7 उप–केन्द्रों के द्वारा कर रहे हैं। 30 से भी ज्यादा स्थानीय महिला स्वास्थ कर्मचारी, जो ऑरोविल द्वारा प्रशिक्षित हैं, आसपास के 17 गाँवों में सक्रिय हैं। वे लोगों को घरेलु इलाज और मूलभूत स्वास्थ शिक्षा प्रदान करते हैं। साथ ही घर में ही छोटे–छोटे बगीचे उगाने के द्वारा बेहतर पोषक को प्रोत्साहित करने का कार्य कर रहे हैं।

ऑरोविल के लिए केन्द्रीय स्थान में स्थित एक संपूर्ण स्वास्थ्य केन्द्रका निर्माण कार्य चालू है।

वाणिज्यिक गतिविधियाँ **(Commercial activities)**

अब लगभग 125 वाणिज्यिक इकाइयाँ और 70 सेवा इकाइयाँ ऑरोविल में कार्य कर रहे हैं। वाणिज्यिक इकाईयों के गतिविधि में हस्थकला, ग्राफिक डिज़ाइन और प्रिन्ट, फूड प्रोसेसिंग, इलेक्ट्रॉनिक्स और इन्जनीयरिंग, मेटलवर्क, विन्डमिल प्रोडेक्शन, क्लोथिंग और फैशन, कम्प्यूटर सर्वीस, इमारत निर्माण और आर्किटेक्चर आदि हैं।

ये इकाइयाँ जो अपने लाभ के एक तिहाई या अधिक नगरावास के विकास कार्य के लिए प्रदान करते हैं, ऑरोविल में स्व–संपूर्णता प्राप्त करने में इनका महत्वपूर्ण भूमिका है। उसी समय, इस समूह को अपने मूलभूत सेवाओं और कार्यों के रखरखाव के लिए वित्त सहयोग देने के साथ–साथ ये इकाइयाँ स्थानीय गाँव के लोगों को बड़ी मात्रा में रोज़गार प्रदान करके उनके जीवन स्तर और शैली को बढ़ाने में सहायक रहा है और न्यायपूर्ण रूप से उनको अपने अमूल्य कुशलताओं का विकास करने में सहयोग दे रहा है। प्रस्तुतः ऑरोविल में आसपास के क्षेत्र में कुछ वित्तीय लाभ के साथ लगभग 4 से 5 हज़ार स्थानीय लोग कार्यरत हैं।

संस्थान **(Organisation)**

ऑरोविल परिषद और कार्यकारिनी समिति जैसे इकाइयाँ उन स्वयंसेवकों में से चार वर्ष में एक बार चुने जाते हैं जो अपने आपको नगरावास के मूलभूत प्रशासनिक आवश्यकताओं के लिए समर्पित करन को तैयार हैं, लेकिन इसमें कोई चलता हुआ अधिकार नहीं है। अत्यंत गंभीर निर्णय विशेष रूप से तर्कात्मक स्वभाव के निर्णय अड्–होक रेसिडेन्ट्स एसम्ब्ली पर होता है जहाँ सभी ऑरोविलियन्स और नए आगन्तुत समान रूप से अपने विचार व्यक्त कर सकते हैं। नगरावास के दैनिक गतिविधियों के लिए कार्यकारिणी दलें अपने विशिष्ट क्षेत्रों में निर्णय लेने में स्वतंत्र हैं।

सारांश **(Summary)**

ऑरोविल मानवता के लिए सचमुच ही एक सच्चे विश्वास को प्रदर्शित करता है। संपूर्ण पृथ्वी पर यह एकमात्र ऐसा स्थान है जहाँ अन्य महत्वपूर्ण कार्य के साथ–साथ, सभी मानवजाति के लिए मानव एकता में एक राजनीतिहीन, अनेक–राष्ट्र प्रयोग चालू है। यह परियोजना लगातार आकार में और कार्यक्षेत्र के विस्तार में अब तक लगभग 43 से अधिक साल तक बढ़ता आ रहा है और उसी प्रकार अपने तेज़ बढ़ाता हुआ आगे बढ़ रहा है।

ऑरोविल के बारे में और जानकारी के लिए कृपया www.auroville.org वेबसाइट पर प्रवेश प्राप्त कीजिए या संपर्क कीजिए :
आउटरीच मीडिया, मल्टीमीडिया सेन्टर, ऑरोविल 605101, तमिलनाडु, भारत।
e-mail : outreachmedia@auroville.org.in (जनवरी 2012)